समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

Zubeen Garg मृत्यु मामला : बकसा जेल के बाहर उग्र विरोध, पुलिस का लाठीचार्ज, बढ़ाई गई सुरक्षा

Sanket Morankar Published on 15 Oct 2025

असम के लोकप्रिय गायक और सांस्कृतिक प्रतीक **Zubeen Garg** की रहस्यमयी मृत्यु से जुड़ा मामला अब जनता और प्रशासन के बीच टकराव का रूप ले चुका है। बुधवार को जब पुलिस पांच आरोपियों को न्यायिक हिरासत के तहत **बकसा केंद्रीय जेल** ले जा रही थी, तभी जेल परिसर के बाहर भारी विरोध और पथराव की घटनाएं सामने आईं।

स्थिति बेकाबू होती देख पुलिस को **लाठीचार्ज** करना पड़ा, और पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

Zubeen Garg की मृत्यु की जांच में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें प्रमुख नाम हैं:

- **श्यामकानु महांता** — एक प्रसिद्ध आयोजक, जिन पर शो प्रबंधन में लापरवाही और साजिश का आरोप है
- **सिद्धार्थ शर्मा** — Zubeen के मैनेजर
- **संदीपन गर्ग** — Zubeen के रिश्तेदार और निलंबित पुलिस अधिकारी
- दो **निजी सुरक्षा अधिकारी (PSOs)**

अदालत ने इन सभी को **14 दिनों की न्यायिक हिरासत** में भेजा है। इसी आदेश के तहत उन्हें **बकसा जेल** भेजा जा रहा था।

बकसा जेल के बाहर जैसे ही आरोपियों को लाया गया, वहां मौजूद **सैकड़ों स्थानीय लोग और समर्थक** आक्रोशित हो गए।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन इन हाई-प्रोफाइल आरोपियों को विशेष सुरक्षा और वीआईपी ट्रीटमेंट दे रहा है। वे आरोपियों को **जनता के सामने प्रस्तुत करने और सार्वजनिक सुनवाई की मांग** कर रहे थे।

बात तब बिगड़ गई जब भीड़ ने **पुलिस वाहनों पर पत्थरबाजी** शुरू कर दी। कई गाड़ियों के शीशे टूट गए और पुलिस को **बल**

प्रयोग करना पड़ा।

स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए **असम पुलिस ने लाठीचार्ज किया**। इसके बाद पूरे बकसा जेल परिसर की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर कैंप कर रहे हैं। एक महिला पुलिस अधिकारी को चोटें आई हैं और कुछ पत्रकारों पर भी हमला हुआ।

पुलिस के मुताबिक:

> "स्थिति अब नियंत्रण में है लेकिन विरोध की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।"

स्थानीय लोगों का मानना है कि **बकसा जेल**, जो कि हाल ही में जून 2025 में चालू हुई है और अभी लगभग खाली है, को इसलिए चुना गया ताकि आरोपियों को **अन्य कैदियों से अलग और विशेष सुरक्षा** दी जा सके।

इस पर एक प्रदर्शनकारी ने कहा:

> "ये एक नई जेल है, यहां कोई और कैदी नहीं है। ये सिर्फ इन लोगों को बचाने की चाल है।"

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि आरोपियों को वीआईपी सुविधा दी गई, तो वे राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे।

Zubeen Garg का निधन **19 सितंबर 2025** को **सिंगापुर** में हुआ था। आधिकारिक रिपोर्ट्स में इसे "दुर्घटनावश डूबने" की घटना बताया गया, लेकिन प्रशंसकों और सामाजिक संगठनों ने इसे **सुनियोजित हत्या** बताया है।

सरकार ने जांच के लिए **असम CID** और **SIT (Special Investigation Team)** गठित की है। अब तक 8 लोगों से पूछताछ और 5 की गिरफ्तारी हो चुकी है।

सोशल मीडिया पर **#JusticeForZubeen** ट्रेंड कर रहा है। फर्जी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और लीक हुई व्हाट्सएप चैट्स ने इस मामले को और विवादास्पद बना दिया है।

CID ने स्पष्ट किया है कि:

> "फर्जी रिपोर्टें और अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।"

असम के दो प्रमुख छात्र संगठनों — **AJYCP** और **AASU** — ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि आरोपियों को विशेष सुरक्षा दी गई तो वे **राज्यव्यापी आंदोलन** चलाएंगे।

इन संगठनों ने 17 अक्टूबर से **धरना, प्रदर्शन और मशाल जुलूस** आयोजित करने का ऐलान किया है।

- SIT ने **सिंगापुर से CCTV फुटेज** और फॉरेंसिक रिपोर्ट मांगी है
- न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया है
- सभी आरोपियों पर **गंभीर धाराओं मे मामला दर्ज** है
- विदेश मंत्रालय भी जांच में सहयोग कर रहा है

Zubeen Garg की मृत्यु ने असम की आत्मा को झकझोर दिया है। यह मामला अब सिर्फ एक कलाकार की मौत नहीं, बल्कि **जनता के विश्वास, पारदर्शिता और न्याय** से जुड़ा हुआ है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.